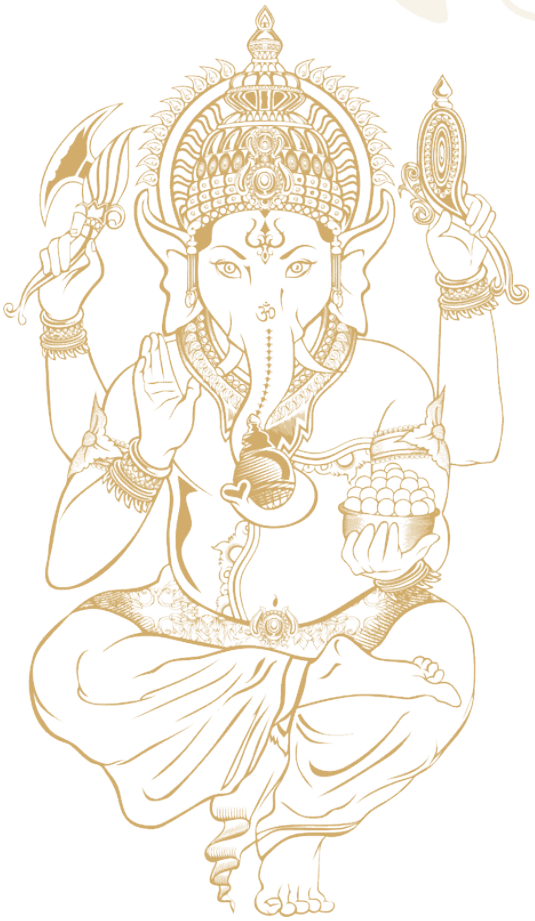

Priyanka kumari

20 Sep 2002

04:55 AM

Jhunjhunu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121336603

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19-20/09/2002**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:55:00 घंटे**
इष्ट	56:40:19 घटी
स्थान	**Jhunjhunu**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:05:00 उत्तर
रेखांश	75:30:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:27:00 घंटे
वेलान्तर	00:06:04 घंटे
साम्पातिक काल	04:21:46 घंटे
सूर्योदय	06:14:52 घंटे
सूर्यास्त	18:28:26 घंटे
दिनमान	12:13:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	02:57:11 कन्या
लग्न के अंश	14:26:59 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शूल
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	14:26:59	316:06:13	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	02:57:11	00:58:36	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	सम राशि
चंद्र			कुंभ	15:15:01	12:04:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	सिंह	19:42:11	00:38:10	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध	व	अ	कन्या	17:52:08	00:35:08	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
गुरु			कर्क	16:18:00	00:11:00	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	उच्च राशि
शुक्र			तुला	14:36:34	00:36:54	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
शनि			मिथु	04:46:07	00:02:20	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	18:04:22	00:12:46	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	18:04:22	00:12:46	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	01:48:37	00:01:56	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	14:33:14	00:00:56	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:10:30	00:00:48	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	13:21:36	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:26

लग्न-चलित

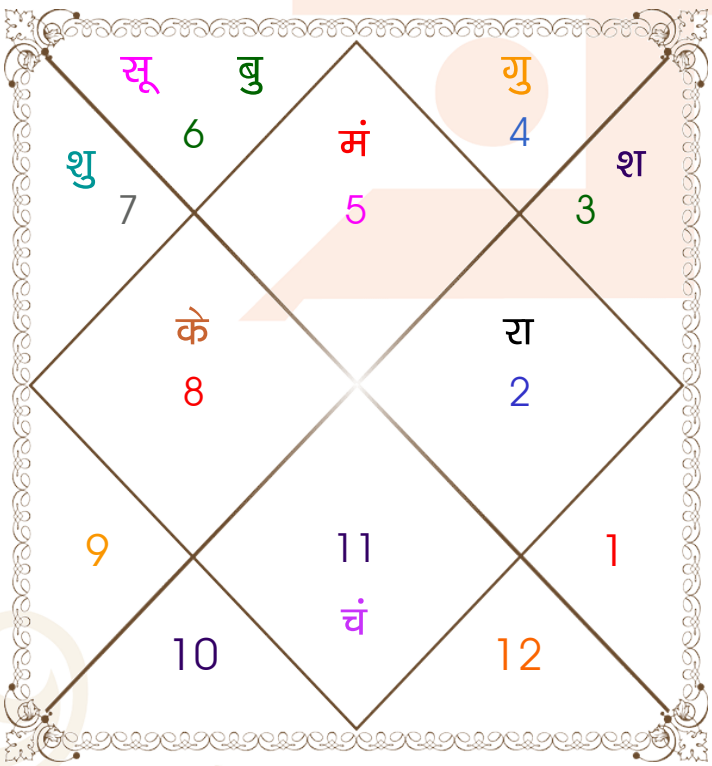

चन्द्र कुंडली

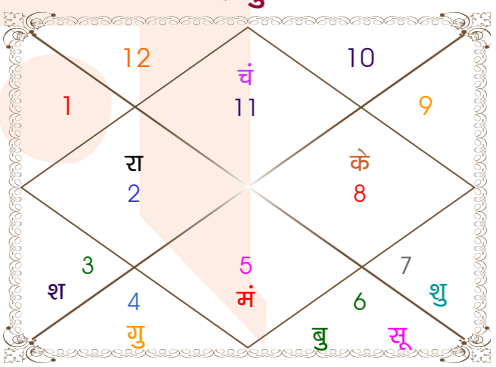

नवमांश कुंडली

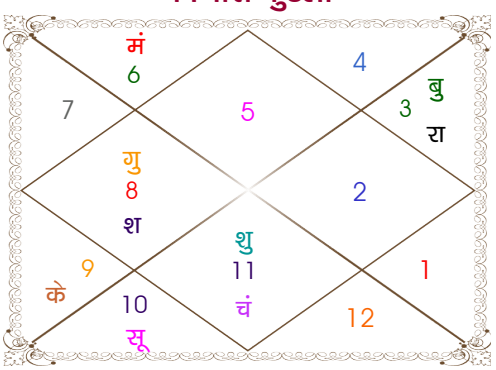

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 6 वर्ष 4 मास 28 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/09/2002		17/02/2009		17/02/2025		17/02/2044		17/02/2061	
17/02/2009		17/02/2025		17/02/2044		17/02/2061		17/02/2068	
	00/00/0000	गुरु	07/04/2011	शनि	21/02/2028	बुध	16/07/2046	केतु	16/07/2061
	00/00/0000	शनि	18/10/2013	बुध	31/10/2030	केतु	13/07/2047	शुक्र	15/09/2062
	00/00/0000	बुध	24/01/2016	केतु	09/12/2031	शुक्र	13/05/2050	सूर्य	21/01/2063
	00/00/0000	केतु	30/12/2016	शुक्र	08/02/2035	सूर्य	20/03/2051	चंद्र	22/08/2063
	20/09/2002	शुक्र	31/08/2019	सूर्य	21/01/2036	चंद्र	18/08/2052	मंगल	18/01/2064
शुक्र	06/09/2005	सूर्य	18/06/2020	चंद्र	21/08/2037	मंगल	15/08/2053	राहु	05/02/2065
सूर्य	31/07/2006	चंद्र	18/10/2021	मंगल	30/09/2038	राहु	04/03/2056	गुरु	11/01/2066
चंद्र	30/01/2008	मंगल	24/09/2022	राहु	06/08/2041	गुरु	10/06/2058	शनि	20/02/2067
मंगल	17/02/2009	राहु	17/02/2025	गुरु	17/02/2044	शनि	17/02/2061	बुध	17/02/2068

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/02/2068		17/02/2088		17/02/2094		18/02/2104		18/02/2111	
17/02/2088		17/02/2094		18/02/2104		18/02/2111		00/00/0000	
शुक्र	19/06/2071	सूर्य	06/06/2088	चंद्र	18/12/2094	मंगल	17/07/2104	राहु	31/10/2113
सूर्य	18/06/2072	चंद्र	06/12/2088	मंगल	19/07/2095	राहु	04/08/2105	गुरु	26/03/2116
चंद्र	17/02/2074	मंगल	13/04/2089	राहु	17/01/2097	गुरु	11/07/2106	शनि	31/01/2119
मंगल	19/04/2075	राहु	07/03/2090	गुरु	19/05/2098	शनि	20/08/2107	बुध	19/08/2121
राहु	19/04/2078	गुरु	24/12/2090	शनि	19/12/2099	बुध	16/08/2108	केतु	07/09/2122
गुरु	18/12/2080	शनि	06/12/2091	बुध	20/05/2101	केतु	12/01/2109	शुक्र	21/09/2122
शनि	17/02/2084	बुध	12/10/2092	केतु	19/12/2101	शुक्र	14/03/2110		00/00/0000
बुध	18/12/2086	केतु	17/02/2093	शुक्र	20/08/2103	सूर्य	20/07/2110		00/00/0000
केतु	17/02/2088	शुक्र	17/02/2094	सूर्य	18/02/2104	चंद्र	18/02/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 6 वर्ष 5 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान हैं। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको ह्रदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।